बंगाल में टीएमसी का सफाया, बीजेपी की रणनीति कामयाब

मंत्री अरूप विश्वास

मंत्री बंकिमचन्द्र हाजरा

मंत्री बेचाराम मन्ना

मंत्री रथिन घोष

मंत्री शशि पंजा

मंत्री सुजीत बोस

मंत्री ब्रात्या बासु

मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य

- 9 जिलों में खाता नहीं खोल पाई टीएमसी
- बीजेपी की जमीनी रणनीति ने बदला चुनावी गणित

पश्चिम बंगाल, 05 मई. बंगाल के चुनावी नतीजे ने साफ कर दिया कि केवल सत्ता में बने रहना जीत की गारंटी नहीं होता. भाजपा ने लंबे समय से इन जिलों पर फोकस किया था, जहां तृणमूल कांग्रेस की पकड़ कमजोर मानी जाती थी.

पार्टी ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया और स्थानीय नेताओं को आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय मुद्दों को प्रमुखता दी. भाजपा की रणनीति का एक बड़ा हिस्सा था मतदाताओं के साथ सीधा संवाद. पार्टी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर संपर्क किया, केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार किया और स्थानीय असंतोष को अपने पक्ष में मोड़ा.

खासकर युवाओं और पहली बार वोट करने वाले मतदाताओं को साधने में भाजपा को सफलता मिली. पश्चिम बंगाल के 23 जिलों में से 9 जिलों में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस का पूरी तरह सफाया कर दिया और इन क्षेत्रों की सभी 68 सीटों पर जीत हासिल की. इसी के साथ भाजपा ने इस बड़े चुनाव में राज्य को पूरी तरह अपने रंग में रंग दिया. राज्य में पहली बार सत्ता में आने वाली भाजपा के लिए इन नौ जिलों का जनादेश यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव प्रचार में जो कहा था कि टीएमसी कई जिलों में खाता नहीं खोल पाएगी, वह सही साबित हुआ. भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया. वहीं, 15 साल से सत्ता में रही टीएमसी करीब 80 सीटों पर सिमट गई. इस नतीजे के साथ भाजपा ने पूर्वी भारत के अपने आखिरी बड़े गढ़ को भी जीत लिया और अंग, बंग और कलिंग यानी बिहार, बंगाल और ओडिशा में अपनी पकड़ मजबूत कर ली. टीएमसी की हार के पीछे सत्ता विरोधी लहर एक बड़ा कारण मानी जा रही है. कई जगहों पर स्थानीय नेताओं के खिलाफ नाराजगी और संगठनात्मक कमजोरियां सामने आईं. महिला, बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री शशि पंजा, शिक्षा मंत्री ब्रात्या बासु , स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग मंत्री सुजीत बोस , ग्रामीण विकास मंत्री बेचाराम मन्ना , खेल मंत्री अरूप विस्वास, खाद्य मंत्री रथिन घोष अपने पारंपरिक वोट बैंक को पूरी तरह एकजुट रखने में सफल नहीं हो पाई, जहाँ भाजपा के विधायकों ने बाजी मारली.

मतदाताओं ने बीजेपी को क्यों चुना, 4 कारण

पहला - सत्ता विरोधी लहर: लंबे समय से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ कुछ क्षेत्रों में असंतोष देखने को मिला. स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक समस्याएं और नेतृत्व को लेकर नाराजगी ने मतदाताओं को विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया.

दूसरा - हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण: चुनाव के दौरान धार्मिक पहचान का मुद्दा भी प्रमुखता से उभरा. भाजपा ने इस पहलू पर रणनीतिक तरीके से काम किया, जिससे कई इलाकों में हिन्दू मतदाताओं का एकजुट समर्थन मिला.

तीसरा-एसआईआर की भूमिका: मतदाता सूची पुनरीक्षण और उससे जुड़े मुद्दों ने भी चुनावी माहौल को प्रभावित किया. इस प्रक्रिया को लेकर उठे सवाल और बहस ने मतदाताओं के बीच राजनीतिक चर्चा को तेज किया, जिसका असर मतदान पर पड़ा.

चौथा- कमजोर विपक्ष और वोटों का विभाजन: वाम मोर्चा और कांग्रेस इस चुनाव में प्रभावी चुनौती पेश करने में असफल रहे. इसके अलावा, मुस्लिम वोटों का विभाजन भी एक महत्वपूर्ण फैक्टर रहा, जिससे टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को अप्रत्यक्ष फायदा मिला.

रेल क्षमता बढ़ाने को तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 05 मई. सरकार ने भारतीय रेलवे की क्षमता बढ़ाने के लिए तीन अहम मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है जिस पर पर लगभग 23,437 करोड़ रुपये खर्च होंगे. केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने भारतीय रेलवे की क्षमता बढ़ाने के लिए तीन अहम मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है.

इन परियोजनाओं पर कुल लगभग 23,437 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.उन्होंने कहा कि इसके तहत नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन, गुंटकल-वाडी तीसरी और चौथी लाइन तथा बुरहवाल-सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। इन परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 901 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।यह परियोजनाएं मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुल 19 जिलों को कवर करेंगी। इससे रेलवे की लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे यातायात सुगम होगा, संचालन क्षमता बढ़ेगी और सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार आएगा।उन्होंने कहा कि परियोजनाएं प्रधानमंत्री के नए भारत और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिनसे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. ये परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई हैं.

योगी सरकार ने बदले नियम, ठेकेदारों पर नजर

वर्तमान और पूर्व निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच

- राशि का 100% अतिरिक्त सिक्योरिटी जमा करनी होगी

गोरखपुर, 5 मई. योगी आदित्यनाथ सरकार का यह फैसला राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की दिशा में एक अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है. लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि कई ठेकेदार बहुत कम दर पर टेंडर हासिल कर लेते हैं और बाद में निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता करते हैं.

नई नीति के तहत ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जाएगी. यदि कोई ठेकेदार असामान्य रूप से कम दर पर टेंडर लेता है, तो उसके काम की विशेष जांच होगी. जरूरत पड़ने पर तकनीकी मूल्यांकन भी किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप हो. सरकार ने यह भी तय किया है कि वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ पहले पूरे हो चुके निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की जाएगी. इससे उन परियोजनाओं की पहचान हो सकेगी, जहां गुणवत्ता में कमी रही है. ऐसे मामलों में संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है. यह कदम भ्रष्टाचार और लापरवाही पर लगाम लगाने में मदद करेगा. साथ ही, इससे सरकारी परियोजनाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी.

हालांकि, कुछ ठेकेदार संगठनों ने इस फैसले को लेकर चिंता भी जताई है. उनका कहना है कि अत्यधिक सख्ती से छोटे ठेकेदारों पर दबाव बढ़ सकता है. लेकिन सरकार का स्पष्ट रुख है कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. यह निर्णय उत्तर प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने और जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

भारतीय पत्रकारों को पुलित्जर सम्मान

नई दिल्ली,05 मई. भारतीय पत्रकारिता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूती का परिचय दिया है. दो भारतीय पत्रकारों, आनंद आरके और सुपना शर्मा को प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार उन्हें इलस्ट्रेटेड रिपोर्टिंग और कमेंट्री श्रेणी में उनकी ब्लूमबर्ग के लिए की गई खोजी रिपोर्टिंग के लिए मिला. उनकी रिपोर्ट ने भारत में साइबर अपराध और डिजिटल ठगी की बढ़ती घटनाओं को उजागर किया. लखनऊ की न्यूरोलॉजिस्ट रुचिरा टंडन की कहानी इस रिपोर्ट का केंद्र रही. साइबर अपराधियों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर उन्हें छह दिनों तक नजरबंद रखा और उनके बैंक खातों से 2.8 करोड़ रुपये की ठगी की.

संपूर्ण देश के विकास के लिए संकल्पित हैं मोदी

नई दिल्ली 05 मई. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को यहां के सी.आर. पार्क स्थित माँ काली बाड़ी मंदिर पहुंचे और पूजा - अर्चना कर बंगाल, असम और पुड्डुचेरी में भाजपा को जीत दिलाने को लेकर आभार व्यक्त किया.

श्री नवीन के साथ दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद बाँसुरी स्वराज, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सहप्रमुख संजय मयूख, विधायक शिखा रॉय, दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और नयी दिल्ली जिलाध्यक्ष रविन्द्र चौधरी, विक्रम मित्तल और काफी संख्या में बंगाली कार्यकर्ता भी थे. मन्दिर समिति के सचिव डॉक्टर राजीव नाग, अध्यक्ष पी के दास, मुख्य सलाहकार डॉक्टर आनंद मुखर्जी, सदस्य अजंता भटाचार्य सौरभ चक्रवर्ती और सुजाता दास ने श्री नवीन, श्रीमती गुप्ता तथा श्री सचदेवा का स्वागत किया. इस मौके पर श्री नवीन ने हाल ही सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव वाले पांचों राज्यों विशेषकर पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जनता का भाजपा को वोट देने के लिए आभार जताया. उन्होंने कहा कि मां काली और मां कामाख्या की पवित्र भूमि में जो विजय श्री मिली है इसके लिए आज मां काली के दर्शन करके माथा टेकने आए हैं. मां काली, माँ कामाख्या और दुर्गा हम सभी को आशीर्वाद दें ताकि बंगाल और असम सहित पूरे देश के विकास में हम अपने राष्ट्र नायक श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करें।श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधान सेवक के रूप में देश का विकास कर रहे हैं और विकास के साथ-साथ विरासत को भी संजोने का काम कर रहे हैं. उन्होंने जोर दिया कि पश्चिम बंगाल की विरासत और संस्कृति को अगर सांवरने का काम कोई करेगा तो वह श्री मोदी ही हैं.

एक नजर में

तृणमूल कांग्रेस की हार पर जश्न नहीं, यह लोकतंत्र में वोट चोरी का मामला है -राहुल

नई दिल्ली, 05 मई. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहां है कि कुछ लोग पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार पर जश्न मना कर गलत कर रहे है क्योंकि यह हार वोट चोरी का परिणाम है और लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है. श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कांग्रेस के भीतर और बाहर कुछ लोग टीएमसी की हार पर खुशी जता रहे हैं लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि असम और पश्चिम बंगाल के जनादेश में चोरी हुई है और यह चोरी भारतीय जनता पार्टी के लोकतंत्र को कमजोर करने के मिशन की दिशा में बड़ा कदम है. उन्होंने कहा कि यह समय हल्की राजनीति करने का नहीं है और टीएमसी की इस हार को एक पार्टी बनाम दूसरी पार्टी के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए .कांग्रेस नेता ने कहा कि यह किसी एक दल का मुद्दा नहीं है, यह देश का मामला है.

कोलंबिया में खदान धंसने से नौ लोगों की मौत

बोगोटा, 05 मई. कोलंबिया में सुताताउसा नगरपालिका स्थित 'ला सिस्कुडा' खदान में हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गयी है. नेशनल माइनिंग एजेंसी (एएनएम) ने मंगलवार को यह जानकारी दी. एजेंसी ने पुष्टि की है कि इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गयी और छह खनिकों को जीवित बचा लिया गया. घायल श्रमिकों का एक क्षेत्रीय अस्पताल में उपचार चल रहा है. क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि 18 श्रमिक जमीन के नीचे थे और उसी दौरान यह हादसा हो गया. इनमें से तीन खुद ही सतह पर आने में सफल रहे. एएनएम के अनुसार, यह घटना खदान के भीतर हुए विस्फोट के कारण हुई. इस खदान का संचालन 'कार्बोनेरस लॉस पिनोस एसएएस' करता है.

हिमाचल के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के ग्रांफू में बर्फ के गिरते फाहों के बीच सैलानी झूम उठे. यह नजारा उनके लिए किसी सपने से कम नहीं रहा. ठंड के बीच पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर आनंद उठाया.

आज का इतिहास

1529 घाघरा के युद्ध में मुगल बादशाह बाबर ने बिहार और बंगाल की संयुक्त सेना को हराया

1589 महान गायक मियां तानसेन का निधन

1840 दुनिया की पहली गोंद लगी डाक टिकट 'पेनी ब्लैक' का ग्रेट ब्रिटेन में इस्तेमाल हुआ

1857 ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल नेटिव इंफैंटरी की 34वीं रेजिमेंट को भंग किया

1861 मोतीलाल नेहरू का जन्म

1889 पेरिस में एफिल टॉवर जनता के लिए खोला गया.

शिवराज सिंह चौहान ने एमएसपी सुरक्षा बढ़ाई

- महाराष्ट्र के चना किसानों को बड़ी राहत
- किसान कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, 5 मई, किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने और बाजार में मजबूरी में बिक्री की स्थिति से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्नाटक में रबी सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 9,023 मीट्रिक टन सूरजमुखी की खरीद को मंजूरी दी है, वहीं महाराष्ट्र में रबी सीजन के दौरान चने की अधिकतम खरीद सीमा बढ़ाकर 8,19,882 मीट्रिक टन कर दी गई है.

इन दोनों फैसलों के जरिए किसानों को 4,886.46 करोड़ रुपए से अधिक की एमएसपी सुरक्षा उपलब्ध होगी. इस स्वीकृति का कुल एमएसपी मूल्य 69.66 करोड़ रु. से अधिक होगा. इस निर्णय से कर्नाटक के सूरजमुखी उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य मिल सकेगा. केंद्र सरकार का यह कदम विशेष रूप से उन किसानों के लिए राहतकारी साबित होगा, जिन्हें बाजार में कम कीमत मिलने की आशंका के कारण मजबूरी में अपनी उपज बेचनी पड़ती है. एमएसपी पर खरीद की स्वीकृति से किसानों का भरोसा मजबूत होगा और कृषि क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा.

महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव पर निर्णय लेते हुए केंद्रीय मंत्री ने रबी सीजन के दौरान राज्य में पीएसएस के तहत चने की अधिकतम खरीद मात्रा बढ़ाकर 8,19,882 मीट्रिक टन करने को मंजूरी दी है. इस स्वीकृति का कुल एमएसपी मूल्य 4,816.80 करोड़ रु. से अधिक होगा. इसके साथ ही महाराष्ट्र में चना खरीद की समय-सीमा में 30 दिनों का विस्तार करते हुए इसे 29 मई 2026 तक बढ़ा दिया गया है. यह फैसला उन किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो निर्धारित अवधि में अपनी उपज की बिक्री पूरी नहीं कर पाए थे.

पीएम मोदी ने खट्टर को जन्मदिन की शुभकामनाएं

- केंद्रीय मंत्री के विकास कार्यों की सराहना
- मनोहर लाल खट्टर के जन्मदिन पर नेताओं ने दी

नई दिल्ली,05 मई. मंगलवार को केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपना जन्मदिन मनाया.इस अवसर पर देशभर के कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान की सराहना की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से खट्टर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं. पीएम मोदी ने लिखा कि खट्टर शहरी बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, और ये क्षेत्र भारत की विकास यात्रा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने केंद्रीय मंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की भी कामना की.

चीन की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 21 लोगों की मौत

हुनान, 05 मई. चीन के हुनान प्रांत में एक पटाखा कारखाने में विस्फोट होने से 21 लोगों की मौत हो गयी है और 61 घायल हो गये हैं. चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार विस्फोट में 21 लोगों की मौत हो गयी है और 61 लोग घायल हुये हैं।बीबीसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है कि हुनान प्रांत के लियूयांग शहर के हुआशेंग पटाखा संयंत्र में यह विस्फोट सोमवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 16-40 बजे हुआ. बचाव दल ने मुस्तैदी दिखाते हुये संयंत्र के तीन किलोमीटर के दायरे में रहने वाले सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. प्रशासन ने खोज और बचाव अभियान चलाने के लिये तत्काल अधिकारियों की तैनाती की तथा घायलों के उपचार के लिए करीब 500 कर्मियों को भी तैनात किया. रोबोट की मदद से पटाखा कारखाने की इमारत के भीतर फंसे लोगों को ढूंढने का काम किया गया.

तीन पूर्व सीएम के बेटों की हार

मतदाताओं ने वंशवाद को नकारा, बीजेपी ने बनाई मजबूत पकड़

गुवाहाटी, 05 मई. असम विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक बड़ा संकेत दिया है. गौरव गोगोई, देबब्रत सैकिया और दिंगत बर्मन जैसे नेताओं की हार ने यह साफ कर दिया कि केवल राजनीतिक विरासत के आधार पर जीत सुनिश्चित नहीं की जा सकती.

भाजपा ने इस चुनाव में आक्रामक रणनीति अपनाई और जमीनी स्तर पर काम किया. पार्टी ने विकास, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया. इसके साथ ही, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया.

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने चुनाव परिणामों के बाद कहा कि यह नतीजे दिखाते हैं कि जनता अब वंशवाद की राजनीति से आगे बढ़ चुकी है. उनके अनुसार, मतदाता अब काम और प्रदर्शन के आधार पर फैसला ले रहे हैं, न कि पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर. दूसरी ओर, कांग्रेस के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका माना जा रहा है. पार्टी के कई बड़े चेहरे अपने परिवार के सदस्यों को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए. इससे यह भी संकेत मिलता है कि पार्टी को अपनी रणनीति और संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करने की जरूरत है. यह परिणाम आने वाले समय में राजनीतिक दलों के लिए एक सबक है. अब केवल नाम या परिवार के भरोसे चुनाव जीतना मुश्किल होता जा रहा है. मतदाता अधिक जागरूक हो चुके हैं और वे विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दे रहे हैं. कुल मिलाकर, असम के ये चुनाव नतीजे न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण संकेत देते है.

एक परिवार, तीन पार्टियां, तीनों की शानदार जीत

नई दिल्ली, 05 मई. इस दिलचस्प चुनावी कहानी में सैंटियागो मार्टिन का नाम सबसे प्रमुख रूप से सामने आता है. उनके परिवार के तीन सदस्यों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के टिकट पर चुनाव लड़ा और तीनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जीत दर्ज की. यह घटना इसलिए भी खास है क्योंकि आमतौर पर एक परिवार की राजनीतिक निष्ठा एक ही पार्टी के साथ जुड़ी होती है. लेकिन इस मामले में परिवार के सदस्यों ने अलग-अलग दलों को चुना और फिर भी मतदाताओं का भरोसा जीतने में सफल रहे.

इस जीत के पीछे सबसे बड़ा कारण है स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ और व्यक्तिगत प्रभाव. उम्मीदवारों ने अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे समय तक काम किया और जनता के बीच भरोसा कायम किया.

घरेलू कामगार से विधायक बनीं कलिता माजी

- ऑसग्राम सीट से बीजेपी उम्मीदवार ने दर्ज की बड़ी जीत

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के ऑसग्राम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक कलिता माजी की कहानी भारतीय लोकतंत्र की जीवंत मिसाल बन गई है.कलिता माजी पिछले दो दशकों से घरेलू कामगार के रूप में काम करती रही हैं, महीने में मात्र 2,500 रुपये कमातीं और अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं.

इन संघर्षों और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने राजनीति में अपनी पहचान बनाई और ऑसग्राम सीट से विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बन गईं।कलिता माजी ने तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार श्यामा प्रसन्ना लाहौर को 12,535 वोटों के बड़े अंतर से हराया. उन्होंने कुल 1,07,692 वोट हासिल किए.उनकी जीत का श्रेय उनके घर-घर जाकर चुनाव प्रचार करने और जनता के विश्वास को हासिल करने के प्रयासों को जाता है.यह सफलता न केवल उनके लिए, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है जो सीमित संसाधनों में भी अपने सपनों को साकार करना चाहता है।बीजेपी ने कलिता माजी पर भरोसा जताया और उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उम्मीदवार बनाया था.उस समय उन्हें लगभग 41प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन जीत नहीं मिली थी.पिछले दस वर्षों से राजनीतिक सक्रियता रखने वाली कलिता ने अपनी शुरुआत बूथ-स्तरीय कार्यकर्ता के रूप में की थी और बाद में पंचायत चुनाव भी लड़ा।आज, घरेलू कामगार से विधायक बनी कलिता माजी साबित कर देती हैं कि मेहनत, जनता का विश्वास और धैर्य किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं.